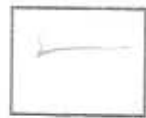
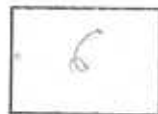


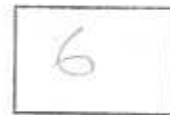
3



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 1

रासायनिक नाम — इथाइल एल्कोहल
उपयोग — ① टीन्च बनाने में ।

② शराब बनाने में

③ धानिका (क) पदार्थ बनाने में

④ साबुन बनाने में

प्रश्न क्रमांक - 2

विद्युत चुम्बक के दो उपयोग निम्न हैं।

① विद्युत चाली में

② लोहे की भारी वस्तुओं को उठाने में रेलों के
रेल में

प्रश्न क्रमांक - 3

उत्पादनी विशेषण के निम्न उपयोग हैं।

① वस्तु का तुल्यता की भार शाट करने में

② अज्ञात विषय की लक्ष्यता ज्ञात करने में।

4

6

+

6

=

12

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक-4

किसी विषयन के निश्चित आयतन में
धुले हुए विषयन फाँपकी मात्रा बढ़ाकर
मानक या प्रायोगिक विषयन कहलाता है।

प्रश्न क्रमांक-5

प्रकाशीय माध्यम दो प्रकार के होते हैं।

- (1) समान्गी माध्यम ।
- (2) विषमान्गी माध्यम ।

प्रश्न क्रमांक-6

6

पृष्ठ 4 अंकों का योग

किसी विषयन की रासायनिक क्रिया
के उदात्तीन होने या अन्त होने की क्रिया
को ही रासायनिक विन्दु कहते हैं।
वे पदार्थ जिन पर रासायनिक क्रिया पूर्ण
होती है। रासायनिक विन्दु कहलाता है।

B
S
E
M
P

5

12

+

1

=

13

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 5 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 11

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पर निम्न कारक सभाव-
 तापते हैं।

① ऑक्सीजन को

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में O_2 की आवश्यकता है। जब पौधे बाहर का वातावरण अशुद्ध होता है या दूषित होता है तो O_2 को निकाल देते हैं और शुद्ध O_2 को बाहर डाले वातावरण को शुद्ध करते हैं।

②

तापमान

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में ताप का बहुत महत्व है। जब बाहर का ताप अधिक होता है तो प्रकाश संश्लेषण भी स्थिर होता है जब वातावरण शुष्क होता है तो प्रकाश संश्लेषण की क्रिया भी कम होती है।

B
S
E
M
P

6

13

+

4

=

17

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 6 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 13

श्व स्नेही और श्वविरोधी कोर्पाइड में
निम्न अंतर है।

श्व स्नेही

- ① श्व स्नेही कोर्पाइड
सरलता से बनाये
जाते हैं।

श्व विरोधी

- ① ये सरलता
से नहीं बनाये
जाते हैं।

- ② इसका स्फुटनाव
विलग माध्यम से कम
होता है।

- ② इनका स्फुट
तनाव विलग
माध्यम से अधिक
होता है।

- ③ अतिबुद्धि शक्ति में इनके
कण दिखाई नहीं
देते हैं।

- ③ अतिबुद्धि शक्ति
में इनके कण
दिखाई देते हैं।

4

पृष्ठ 6 के अंक का योग

- ④ इनका स्फुटन उल्लभणीय
होता है।

- ④ इनका स्फुटन
अनुल्लभणीय होता
है।

7

17

+

5

=

22

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 21

कूसीफुरी कुल का आर्थिक महत्व निम्न
है।

(1) भोजन :-

इसका उपयोग भोजन के रूप में किया
जाता है। जैसे - दमाटर, वींगन, मटर, सेम आदि
इस के अन्तर्गत आते हैं।

(2) औसदों के निर्माण में :-

इस के घातक बीज होते हैं।
जिनसे दवाये बनाई जाती हैं। जैसे चटूरे
मूली आदि के बीजों के

(3) तेल के रूप में :-

बहुत से बीजों के तेल भी बनाये
जाते हैं जिससे हमारे खाने के काम आते हैं।

(4) तम्बाकू :-

इसमें तम्बाकू की फलियाँ को किण्वित
किया जाता है जिससे तम्बाकू का निर्माण
होता है।

B
S
E
M
P

5

पृष्ठ के अंकों का योग

8

22

+

5

=

27

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

प्रश्न क्रमांक - 22

पारदशी, अपारदशी व पारभाषी में
निम्न परिभाषा उल्लेख की है —

पारदशी :-

जिन वस्तुओं में सूर्य प्रकाश
आर पार जा सकता है पारदशी कहलाती
है। जैसे — स्पष्ट कांच, स्पष्ट पानी
आदि।

अपारदशी :-

जिन वस्तुओं से कुछ प्रकाश
का भाग आर पार नहीं सकता है उसे
अपारदशी कहते हैं। जैसे — ~~गुच्छा~~
मेख आदि।

पारभाषी :-

कुछ वस्तुओं में सूर्य प्रकाश का
एक भाग आर पार ~~नहीं~~ जा सकता है पारभाषी
माध्यम कहलाते हैं।
जैसे — धुंधला कांच, टेबल का कागज आदि।

5

पृष्ठ के अंकों का योग

9

27

+

—

=

27

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 20

जीवणु की रचना निम्न प्रकार है।
पाक्षकवच, कौशिका मित्रि, कोशा कल्पा, कौशिका
संव, उन्मूलन ।

पाक्षकवच :-

यह जीवणु पारजीवी जीवणुओं में पाये
जाते हैं ये बड़ा जीवणु लै रक्षा करते हैं।
उन पर एक सेल्समीन झिल्ली की परत
होती है जो हमारे शरीर की रक्षा करते हैं
ये परजीवी जीवणु
बहायी आघातों रक्षा करते हैं।

कौशिका मित्रि :-

ये जीवणुओं के चारों तरफ
एक परत सी पाई जाती है जिले कौशिका
मित्रि कहते हैं यह हृदय व मजबूत होती है।

कोशा कल्पा :-

यह जीवणु के झपटकों कोशिका
मित्रि के बीच नीचे पाई जाती है।

B
S
E
M
P

योग के अंकों का योग

(10)

27

+

5

=

32

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 10 के अंक

कुल अंक

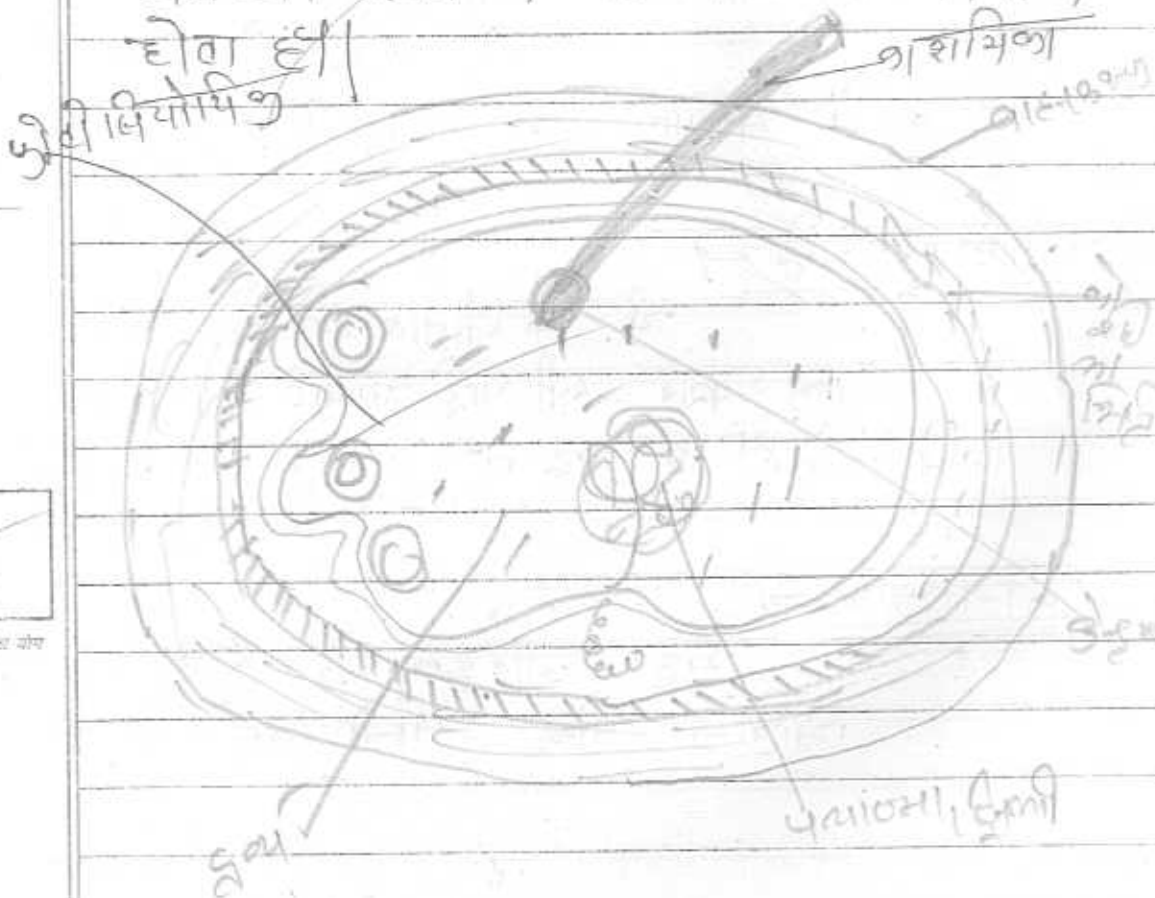


कीश हव्य

कीश हव्य कोशा कला केले
धिरा रहता ही। इसमे कारिका भय
हव्य कुंला रहता ही। यह अधिपारागम्य हीती
ही। यह कारिकाभय हव्य पदाय ही यह वह
जीवागुमो से रहता करता ही।

केतु इलमे सत्य केतु का भाग
होता ही। यह गुणसूत का पना
होता ही। इस मे 0.14 का निर्माण
होता ही।

B
S
E
M
P



5

पृष्ठ के अंक का योग

11

32

+

4

=

36

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 11 के अंक

कुल अंक



परम कर्मों - हि

विद्युत फ्यूज एक सुरक्षा साधन है।
जो किसी विद्युत परिपथ में लगा होता है।
यह दिन मा सीसे के बनी धातु का तार होता है।
इसका गलनांक बहुत कम होता है। इसको
विद्युत परिपथ में लगाते समय इसकी मोटाई
इतनी रखते हैं कि विशेष मान के विशेष मान
के द्वारा बहाने के यह फौरन गर्म होकर गल
जाता है। इस तरह परिपथ का सबसे कमजोर
भाग है।

विद्युत धारा का यह अधिकतम
मान जिससे विद्युत परिपथ में आग लगने
या नष्ट होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है।
इसकी मोटाई इतनी रखते हैं कि विशेष मान
से अधिक धारा बहाने के यह गर्म हो जाता है।
इस बिंदु पर फ्यूज का निर्माण किया जाता
है।

4

पृष्ठ के अंक का योग

(12)

36

+

3

=

39

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 9

वाल्पोल्लर्जन के महत्व का लाभ विन्न
है।

(1) इससे मूल्य शीमो द्वारा शोषित भूमि जल
पातियो तक पहुँचता है।

(2) इससे मूल्य शीमो द्वारा शोषित भूमि का जल
रिपा जाता है।

(3) इससे पौधों का तपमान सही
रहता है।

(4) इससे पौधों का सही ~~व~~ व
मृदा जल का जंचा होता है।

(5) वाल्पोल्लर्जन से पौधों के में 60%
जल का जंचा होता है।

(6) इससे मृदा जल वाल्व बनकर
वाष्प निकल रिपा जाता है।

B
S
E
M
P

3

पृष्ठ के अंकों का योग

13

39

+

4

=

41

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 19

पीछी के लिए आवश्यक पोषक तत्व निम्न हैं।

गुरु पोषक तत्व ⇒

इसमें जनेक गुरु पोषक तत्व हैं जो निम्न हैं। जिंक, बोरॉन, लोहा, मोलिब्डेनम, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन, कार्बन आदि गुरु पोषक तत्व हैं।

दीर्घ पोषक तत्व ⇒

पोषक तत्व कैलाशियम, मैग्नेशियम, कॉपर, लक्रेट, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन आदि तत्व होते हैं। इसमें दीर्घ पोषक तत्व पीछी के लिए आवश्यक होते हैं।

4

पृष्ठ के अंकों का योग

(14)

41

+

3

=

44

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 14 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 10

उत्तर :-

अशुद्ध स्वेच्छम ऐसा बिलमे
 एक ही चदी पर एक ही बिन्दु पर
 सभी क्रान्ति पहुँचती है वहाँ पर
 प्रकाश कि नहीं दिखाई पड़ता और
 सभी रंग आपस में एक बिन्दु पर
 एकत्रित हो जाते हैं। और इसी
 कारण अशुद्ध वही हम कह सकते
 हैं या अशुद्ध स्वेच्छम कहा जाता है।
 बिलमे प्रकाश का मार्ग स्पष्ट नहीं
 दिखाई देता है।

B
S
E
M
P

प्रश्न क्रमांक - 11

3

क्रिती विषयन की दृष्टिकोणन आयन
 की साक्षता में मापने के ग्लाम स्पीटर
 के संख्यात्मक चिह्नानुक्रम विषयन को
 दृष्टिकोणन आयन की साक्षता कहते हैं।
 यह है क्रिती विषयन के
 मापने की संकेत या पिन मापक
 स्केल भी कहते हैं।



$$24 + 5 = 49$$

- ① सम्लीय विलयन का pH मान 7 से होता है।
- ② क्षारीय विलयन का pH मान 7 से अधिक होता है।
- ③ उदासीन विलयन का pH मान 7 से कम होता है।

इससे pH मापने की रण्वेन भी कहते हैं। इसका $\text{pH} - 2\text{H}$ भी होता है।

प्रश्न क्रमांक - 8

एक किलोपीट घंटा 3.6×10^{10} जूल के बराबर होता है।

इसका उपयोग ऊष्मा की मापने में किया जाता है। इसे साधारण बोमचाल में पाई भी कहते हैं। इसे वॉट और ड्रैट भी कहते हैं। इसका उपयोग इन्जनों के पैंजफिक में किया गया।

इसे किलोपीट घंटा भी

कहते हैं।

B
S
E
M
P

5

पृष्ठ के अंक का योग

16

49

+

4

=

53

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



पञ्चन कर्मणः - 14

उत्प्रेरण विष

कुछ पदार्थों की सूक्ष्म मात्रा ही रासायनिक क्रिया या उत्प्रेरण की क्रिया को जमया नष्ट कर देते हैं। उत्प्रेरण विष कहलाते हैं।

उदाहरण

① H_2SO_4 की स्पर्श विधि में SO_2 में मिश्रण होता है। उत्प्रेरण को कम या अभिक्रिया को निष्पत्ति कहते हैं।

② NO_2 की थोड़ी मात्रा की उपस्थिति में CO में ऑक्सीकरण की उत्प्रेरण शक्ति को मजबूत कर देती है। भास्यनिक NO_2 उत्प्रेरण विष कहलाते हैं।

B
S
E
M
P

4

पृष्ठ के अंकों का योग

(17)

53

+

4

=

57

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 14

किली चुम्बक के ध्रुवों का बनना चुम्बक क्षेत्र पर निर्भर करता जब किली नरम लोहे की क्षण पर लगे के विद्युत रोधी तार लपेट कर द्वारा पहाने से उसके चारों ओर चुम्बकी क्षेत्र उत्पन्न हो जाता है।

उदाहरण

जब किली चुम्बकीय ध्रुवों के लक्षण के लक्षित पर देखेंगे तो उसमें एक दिशा में तार लपेटा जाता है तो ध्रुवों के चूम्बने की दिशा में होता उसे दक्षिणा ध्रुव कहते हैं। यदि उसके विपरीत हो चुम्बक चूम्बने के विपरीत हो तो उत्तरि ध्रुव होगा इसके ध्रुवों के विद्युत का पता लगा सकते हैं।

इसमें चुम्बक के ध्रुवों

को एक लक्षित पर इस प्रकार भाँटें इस लक्षित पर विपरीत दिशा में लपेटा जाता है। बिलकुल इसके दोनों लक्षित वास्तविक चुम्बक बन जाते हैं।

इसका ध्रुवों के विद्युत से पता लगा जाता है।

B
S
E
M
P

4

पृष्ठ के अंकों का योग

18

57

योग पूर्व पृष्ठ

+

2

पृष्ठ 18 के अंक

=

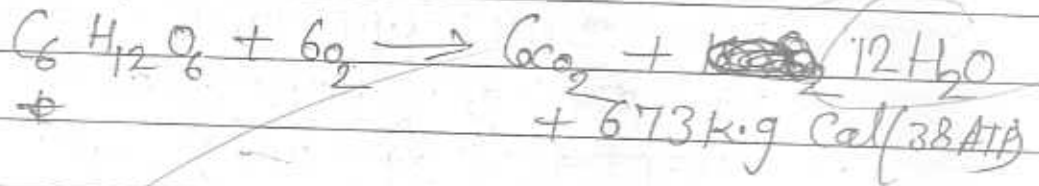
59

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 16

ऑक्सीकरण का समीकरण -



प्रश्न क्रमांक -

विद्युत द्वारा संचालित होने पर इसका
अपने आयनों में विभक्त होने कि किया
विद्युत अपघटन कहते हैं।
जिस वर्तन में

B
S
E
M
P

2

पृष्ठ के अंक का योग



प्रश्न क्रमांक - 12

विद्युत द्वारा त्वरित होने पर इवों का आने अपने आयनों में विभक्त होने की क्रिया विद्युत अपघटन कहलाती है।

इस रासायनिक क्रिया में विद्युत द्वारा त्वरित की जाती है तो इसके उसमें उपस्थित पदार्थ अपने आयनों में विभक्त हो जाते हैं आयनों में विभक्त होने की क्रिया आयनन कहलाती है। जो भागों में विभाजन हो जाता है वह क्रिया विद्युत अपघटन कहलाती है।

प्रश्न क्रमांक - 13

पिनाइडीकरण क्रिया द्वारा भूमि की उर्वरता कम होती है इसमें नाइट्रोजन का विघटन होता है जिससे भूमि की उर्वरता कम होती है।

~~इससे भूमि की~~

B
S
E
M:
P

6

पृष्ठ के अंकों का योग

65
75